



जब थी वो पास

था मैं एक निराश लड़का ।

तुम्हें है मुझे बकला ।

जब आया तुम पास मेरे,

जीन का नया प्रतीका मिला ।

अब तो आ पास, मेरे प्यारे ।

मेरा किल है तुम्हें चाहता ।

मोहब्बत में फस जाऊँ, हम बेचारे ।

आखिर थी तुम बहुत खूबसूरत ।

मेरे आँखें चाहते देखना तुम्हें,

मन मेरा चाहता, हो तुम पास ।

अलविदा बस कभी ना बोले प्यारी,

तुम्हारे बिना रह ना मैं सकता ।

तेरे लिये हूँ मैं जीता रोज़ ।

तेरे साथ ही है मुझे जीना ।

मेरे प्यार को कभी ना तोड़ो,

क्यूँकि है प्यार मेरा सच्चा ।



Item Code: 641

Participant Code: 113

थाक हूँ मुझे पुराने समय,
जब थे हम दोनों दोस्त।
पर, पता ना आया कब चार,
जिसने दिल को बच्चे जैसा किया।
तुम नहीं थी, नशे से कम,
तो नशा, जो कभी ना जाया।
जब जिन्दगी ने दिया कुख,
तेरे नशे ने करा खुश।
तेरे पास होना चाहता हमेशा,
बस तुम्हें ही दिया मुझे चार।
अकेला ना मैं जी सकता।
तुम्हारा चार था मैं चाहता।
लेकिन, अब क्या हो जाया?
तुम ना रही मेरे पास।
रात को नींद ना अब आता,
तकिया होता आँसू से जीला।



Item Code: 641

Participant Code: 113

तुम्हें कहाँ, था मैं बहुत बुरा ।
आखिर, था क्या मैं बुरा ?
मुझे चाहिम था बस चार तेरा ।
पर अब ना हो तुम इस दुनिया में ।
हाँ, बोल दिया उसने अलविदा ।
सिर्फ मुझसे ना, सबसे कहाँ ।
किल में अब भी बोलता उससे,
“पास आ जा मेरे चारों”